

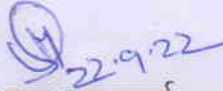
# न्यायालय अपर समाहर्ता, पाकुड़

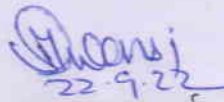
प्री इम्पशन अपील वाद सं०-०४/२०१७  
चेनबानु बीबी-बनाम-दिव्येन्दु विकास दास एवं अन्य  
आदेश

आदेश की क्रम संख्या और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर गई कार्य के बारे टिप्पणी ता
01	02	03
	<p>यह अपीलवाद, अपीलकर्ता चेनबानु बीबी, पति-मो० ऐनुल हक, सा०-चाँदपुर, थाना-पाकुड़ (मु०) जिला-पाकुड़ के द्वारा विज्ञ भूमि सुधार उपसमाहर्ता, पाकुड़ के प्री इम्पशन वाद सं०-०३/२०१६-१७ में दिनांक-२०.०९.२०१७ को पारित आदेश के विरुद्ध दाखिल किया गया है। यह वाद आवेदक दिव्येन्दु विकास दास, पिता-स्व० गोविन्द चरण दास द्वारा (१) श्रीमती चेनबानु बीबी, पति-ऐनुल हक एवं (२) सीताराम मंडल, पिता-दीपचाँद मंडल के विरुद्ध झारखण्ड लैन्ड सीलिंग एक्ट की धारा १६ (३) के अन्तर्गत निम्न न्यायालय में दाखिल किया गया था, जिसके अनुसार सीताराम मंडल मौजा-चाँदपुर नं०-१६१ अंचल, पाकुड़ के दाग सं०-२५, २८, १४१ एवं १४२ कुल रकबा ७क० ९½ धूर को विरोधी पक्ष सं०-१. चेनबानु बीबी को रजिस्टर सेल डीड सं०-१४८७/१६, दिनांक-२१.०९.२०१६ द्वारा उनको (आवेदक दिव्येन्दु विकास दास को) प्रथम क्रय अधिकार से वंचित करते हुए गलत ढंग से बिक्री करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि चेनबानु बीबी प्रश्नगत जमीन का न तो हिस्सेदार है न ही आड़ी रैयत है। जबकि अपीलकर्ता प्रश्नगत जमीन का आड़ी रैयत है। उभय पक्ष न्यायालय में लगातार अनुपस्थित है।</p> <p>अभिलेख के अवलोकन से ज्ञात होता है कि दिनांक-२०.०६.२०१८ को अपीलकर्ता चेनबानु बीबी एवं उत्तरवादी सं०-०१ दिव्येन्दु विकास दास के द्वारा संयुक्त सुलहनामा आवेदन (Joint Compromise Petition) दाखिल किया गया है जिसके मुख्य बिन्दु निम्नवत् है :-</p> <p>(a) The respondents in whose favour learned D.C.L.R. Pakur has executed sale deed no.677 dated 6.3.2018 have agreed to return back the land in question mentioned in the sale deed in favour of appellant.</p> <p>(b) The appelleant shall not object before the D.C.L.R. if respondents file petition for Withdrawal of the amount of sale deed deposited through chhalan no.37 dated 28.10.2016.</p>	

(c) The respondents or their heirs shall not be able to put any objection in future in the peaceful possession of land in question of appellant.

उक्त **Joint Compromise Petition** के आधार पर वाद की कार्यवाही समाप्त की जाती है। उभय पक्ष के विज्ञ अधिवक्ता को अवलोकन करा दें।  
लेखापित।

  
अपर समाहर्ता,  
पाकुड़।

  
अपर समाहर्ता,  
पाकुड़।